

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही का इतिशियल्स जज	नम्बर व तारीख व हुकम की जारी
---------------	-----------------------------------	------------------------------------

19.01.2021 पत्रावली पेश। वकील प्रार्थी उपस्थित। अप्रार्थी को एक पक्षीय कार्यवाही की जा चुकी है। वकील प्रार्थी की बढस सुनी गयी पत्रावली का अवलोकन किया गया। प्रार्थी द्वारा एक प्रापत्र अंतर्गत धारा 212, राज. कार्यकारी अभिनियम, 1955 पेश किया गया है। प्रार्थी द्वारा इस आशय का अनुरोध खाहा गया है कि अप्रार्थीगण को अस्थायी निषेधाज्ञा से पाबंद किया जावे कि वाद-पत्र के अंतिम निस्तारण तक चक 748(A), मु.नं. 35, प.नं. 135/385, कि. नं. 1, 2, 6 ता 15, मु. नं. 38, प. नं. 138/385, कि. नं. 2, 3, 8, 9, 11/2, 12, 13, 18 ता 23 का 6061 है. में से 50 हिस्सा, चक 748(B), मु.नं. 2, प. नं. 138/386, कि. नं. 3, 4, 7, 8, 12, 13, 14, 17 ता 19, 22 ता 24, मु. नं. 9, प. नं. 131/386, कि. नं. 19/2 कुल 3-378 है. में से 1/6 हिस्सा भूमि को रदन-बैंक या अन्य प्रकार से अंतरित ना करे।

05.2.21 आवली पेश हुई। पीठासीन आदेश जारी। अन्य कार्यों में व्यस्त/अवकाश/मुक्यालय से बाहर पधारे हैं। पत्रावली दिनांक... 19.3.21 को पेश हो।

19.03.2021 पत्रावली पेश। वकील प्रार्थी उपस्थित। अप्रार्थी सं. 01 ता 03 के विरुद्ध पूर्व में दिनांक 09.07.19 को एकपक्षीय कार्यवाही की जा चुकी है। वकील प्रार्थी की बढस सुनी गयी पत्रावली का अवलोकन किया गया। प्रार्थी द्वारा एक प्रापत्र अंतर्गत धारा 212, राज. कार्यकारी अभिनियम, 1955 पेश किया गया है। प्रार्थी द्वारा इस आशय का अनुरोध खाहा गया है कि अप्रार्थीगण को अस्थायी निषेधाज्ञा से पाबंद किया जावे कि वाद-पत्र के अंतिम निस्तारण तक चक 748(A), मु.नं. 35, प.नं. 135/385, कि. नं. 1, 2, 6 ता 15, मु. नं. 38, प. नं. 138/385, कि. नं. 2, 3, 8, 9, 11/2, 12, 13, 18 ता 23 का 6061 है. में से 50 हिस्सा, चक 748(B), मु.नं. 2, प. नं. 138/386, कि. नं. 3, 4, 7, 8, 12, 13, 14, 17 ता 19, 22 ता 24, मु. नं. 9, प. नं. 131/386, कि. नं. 19/2 कुल 3-378 है. में से 1/6 हिस्सा भूमि को रदन-बैंक या अन्य प्रकार से अंतरित ना करे।

मुताबिक बढस, दस्तावेज, प्रापत्र-पत्र प्रथम दृष्टया मामला एवं सुविधा का संतुलन प्रार्थी के पक्ष में हैं। अतः प्रार्थी का प्रापत्र आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए इस आशय की अस्थायी निषेधाज्ञा जा की जाती है कि वादपत्र के अंतिम निस्तारण तक वादग्रस्त भूमि को प्रार्थी के हिस्से तक रदन-बैंक या अन्य प्रकार से अंतरित ना किया जाये। आदेश सुनाया गया। पत्रावली फंसल सुमार होकर दारिल पफतर हो।

*Pravin Kumar*  
30/03/2021  
14/03/2021